भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 3247

दिनांक 16 मार्च, 2021 के लिए प्रश्न

विषय: प्रवासी पक्षी एवियन इन्फ्लुएंजा के स्रोत के रूप में

3247. श्री राजेन्द्र धेड्या गावित:
श्री चंद्र शेखर साहू:
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:
श्री रवि किशन:
श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री सुब्रत पाठक:
श्री सुधीर गुप्ता:

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में प्रवासी पक्षी ही एवियन इन्फ्लुएंजा के संभावित स्रोत हैं;

(ख) यदि हां, तो महाराष्ट्र, झारखंड, मध्य प्रदेश और ओडिशा सहित विभिन्न राज्यों में प्रतिवर्ष आने वाले प्रवासी पक्षियों की संख्या कितनी है;

(ग) क्या इस संबंध में अभी तक कोई अध्ययन किया गया है और यदि हां, तो इस संबंध में उपलब्ध ब्यौरा क्या है;

(घ) आरडीडीएल (ईआर), कोलकाता और एनआईएचएसएडी, भोपाल में एवियन इन्फ्लुएंजा परीक्षण के लिए कवर किए गए राज्यों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) इन दो प्रयोगशालाओं में और देश में ऐसी अन्य प्रयोगशालाओं में एवियन इन्फ्लुएंजा परीक्षण करने/पूरा करने में प्रयोगशालाओं द्वारा लिए गए समय का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री

(डॉ. संजीव कुमार बालियान)

(क) से (ग) जी हां, प्रवासी पक्षी देश में एवियन इन्फ्लुएंजा वायरस की शुरुआत के संभावित स्रोतों में से एक हो सकते हैं। विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (ओआईई) के अनुसार, सभी प्रकार के एवियन इन्फ्लुएंजा वायरस के लिए प्राकृतिक होस्ट तथा भंडार-गृह के रुप में जंगली पक्षी इन वायरस की उत्पत्ति, अनुरक्षण और प्रसार में मुख्य भूमिका निभाते हैं। आईसीएआर-राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान

(एनआईएचएसएडी), भोपाल ने " जंगली/प्रवासी पक्षियों में एवियन इन्फ्लुएंजा की निगरानी'' संबंधी परियोजना शुरु की है। जहां तक देश के विभिन्न राज्यों में प्रति वर्ष आने वाले प्रवासी पक्षियों की संख्या का संबंध है, विभाग के पास ऐसा कोई डाटा उपलब्ध नहीं है।

(घ) पूर्वी क्षेत्रीय रोग निदान प्रयोगशाला (ईआरडीडीएल), कोलकाता, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा, झारखंड, सिक्किम तथा अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के लिए एवियन इन्फ्लुएंजा की जांच में शामिल है। तथापि, ओआईई द्वारा मान्यता प्राप्त संदर्भ प्रयोगशाला के रुप में, आईसीएआर-एनआईएचएसएडी, भोपाल सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को एवियन इन्फ्लुएंजा के संबंध में पुष्टिकारक नैदानिक सेवाएं प्रदान करता है।

(ड.) बंगलुरु (दक्षिणी), पुणे (पश्चिम), जालंधर (उत्तरी), कोलकाता (पूर्वी) और गुवाहाटी (पूर्वोत्तर) में क्षेत्र-वार स्थित 5 (पांच) क्षेत्रीय रोग निदान प्रयोगशालाएं (आरडीडीएल) और आईसीएआर-भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआई), इज्जतनगर, बरेली में स्थित एक केंद्रीय रोग निदान प्रयोगशाला (सीडीडीएल) एवियन इन्फ्लुएंजा की जांच में शामिल हैं। तथापि, आईसीएआर-एनआईएचएसएडी, भोपाल एवियन इन्फ्लुंजा की पृष्टि के लिए राष्ट्रीय संदर्भ प्रयोगशाला है।

सूचना के अनुसार, आईसीएआर-एनआईएचएसएडी और अन्य प्रयोगशालाएं, पात्र नमूनों की प्राप्ति के समय के आधार पर सभी राज्यों से प्राप्त आपातकालीन नमूनों के परिणाम लगभग 12-48 घंटो में प्रदान कर देती हैं।

****